बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर, बिहार
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

बुलेटिन संख्या- 35/2025 **दिनांक-09 मई 2025**

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(10-14 मई 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, बिहार कृषि विश्वविद्यालय एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- **भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार 10-14 मई के दौरान जिले में उष्ण एवं आद्र दिवस रह सकता हैं ।**
- **अधिकतम तापमान 41-43 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 22-26 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।**
- **सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70-80 प्रतिशत तथा दोपहर में 20-25 प्रतिशत रहने की संभावना है।**
- **पूर्वानुमान की अवधि में 07-20 किमी/घंटा की रप्तार से पछिया हवा चल सकती है।**

फसल	समसामयिक सुझाव
सामान्य सलाह	आगामी दिनों में गर्म और आर्द्र मौसम की संभावना के मद्देनज़र, खड़ी फसलों में नमी बचाव के लिए बार-बार सिंचाई करें। दोपहर के समय सिंचाई से बचें और नमी संरक्षण के लिए मल्चिंग करें। कीट व रोगों की निगरानी करें तथा पशुओं की उचित देखभाल सुनिश्चित करें।
मूंग एवं उरद	मूंग एवं उरद की फसल मे रस चूसक कीट माहु, हरा फुदका, सफेद मक्खी व थ्रीप्स कीट की निगरानी करें। बचाव हेतुमैलाथियान 50 ई0सी0 या डाडमेथोएट 30 ई0सी0 का 1 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल मे छिड़काव करें।
भिण्डी	भिन्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड 0.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन/1.5 से 2 मि0ली0 प्रति ली0 पानी की दर से छिड़काव करें। गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में निकाई-गुड़ाई करें।
सब्जियाँ	फल मक्खी लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसल को क्षति पहुचाने वाला प्रमुख कीट है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही **1** किलोग्राम छोआ, **2** लीटर मैलाथियान **50** ई**0**सी**0** को **1000** लीटर पानी मे घोल कर **15** दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव करे।
आम	आम के बागों में फल मक्खी के प्रबन्धन के लिए "फ्रूट फ्लाई ट्रैप" स्थापित करें । प्रति हेक्टेयर 15-20 फरोमैन ट्रैप लगाकर फ्रूट फ्लाई मक्खी को प्रबंधित किया जा सकता है। इन ट्रैपो को निचली शाखाओं पर 4 से 6 फिट की ऊंचाई पर बांधना चाहिए।एक ट्रैप से दूसरे ट्रैप के बीच में 35 मीटर की दूरी रखे । ट्रैप को कभी भी सीधे सूर्य की किरणों में नहीं रखे । ट्रैप को आम की बहुत घनी शाखाओ के बीच में नहीं बाधना चाहिए । ट्रैप बाग में स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए की कहा बाधा गया है । ट्रैप बांधने की अवस्था फल पकने से 60 दिन से पहले होना चाहिए और 6 से 10 सप्ताह के अंतराल पर नर की सुगंध बदलते रहना चाहिए।
लीची	लीची के पेड़ में फल बेधक कीट से बचाव हेतु लीची के पत्तियों एवं टहनियों पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 का 10 मि0ली0 या कार्बारिल 50 प्रतिशत घुलनशील पॉवडर का 20 ग्राम दवा को 10 लीटर पानी में घोलकर अप्रैल माह में 15 दिनों के अन्तराल पर प्रति पेड़ की दर से दो छिड़काव करें।
पशुपालन	ब्याँने वाले पशुओं को प्रसूति बुखार से बचाने के लिए खनिज मिश्रण 50-60 ग्राम प्रतिदिन दें एवं दूध देने वाले पशु को खनिज मिश्रण 10 ग्राम/लीटर दूध की दर से दें। गाय को 400 ग्राम दाना / किलो दुध उत्पादन एवं भैस का 500 ग्राम दाना / किलो दुध उत्पादन की दर से दें। हरा चारा 20-25 किलो/पशु/ दिन जरुर खिलाये.

(डॉ0 नेहा पारीक) वैज्ञानिक (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)	(डॉ0. बीरेंद्र कुमार) नोडल पदाधिकारी (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)